भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 20 नवंबर, 2026
जारी करने का समय:1345 घंटे

विषय: (i) उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों के पास, बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में मौजूद चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान] ने गोपालपुर के निकट उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार किया। इस प्रणाली के प्रभाव के कारण, 20 नवंबर को ओडिशा में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 20 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक, पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज किया गया मौसम:

- ओडिशा में अत्यधिक भारी बारिश (>21 सेमी) दर्ज की गई है।
- तटीय आंध्र प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- गांगेय पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (परिशिष्ट I और II):

- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर मौजूद कल का प्रचण्ड चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान], आज 20 नवंबर, 2026 को भारतीय मानक समय (IST) के अनुसार 02:30 बजे कमजोर होकर एक चक्रवाती तूफान में बदल गया। आज 20 नवंबर को सुबह 07:30 से 08:30 बजे (IST) के बीच, चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान] गोपालपुर के पास (लगभग 19.1° उत्तरी अक्षांश और 84.8° पूर्वी देशांतर पर) उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार कर गया। इस दौरान हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटा थी, जो झोंकों के साथ 90 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही थी। आज 20 नवंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) यह तूफान गोपालपुर के पास (लगभग 19.2° उत्तरी अक्षांश और 84.8° पूर्वी देशांतर पर) दक्षिणी तटीय ओडिशा और उससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर केंद्रित था। यह कलिंगपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से लगभग 120 किमी उत्तर-पूर्व में, पुरी (ओडिशा) से 130 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में और विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 230 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित था। इसके ओडिशा के ऊपर से होते हुए लगभग उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा में आगे बढ़ने और अगले 03 घंटों में कमजोर होकर गहन अवदाब तथा उसके बाद के 06 घंटों में अवदाब में बदलने की संभावना है।
- वायुमंडल की निचली परतों में, पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- वायुमंडल की मध्यम परतों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक 'ट्रफ' (द्रोणी) के रूप में मौजूद है, जिसकी धुरी लगभग 56° पूर्वी देशांतर के साथ 32° उत्तरी अक्षांश के उत्तर की ओर स्थित है।
- वायुमंडल की निचली परतों में, पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 20-23 नवंबर और 26 नवंबर को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे तथा रायलसीमा में 20-26 नवंबर के दौरान; लक्षद्वीप में 24 नवंबर को; तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 24-26 नवंबर के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 23 नवंबर और 25-26 नवंबर के दौरान; तथा तेलंगाना में 20 नवंबर को कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 24-25 नवंबर के दौरान; लक्षद्वीप में 25-26 नवंबर के दौरान; और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 24 नवंबर को काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 23-26 नवंबर के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में 22-24 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 24 नवंबर को केरल और माहे में; 20-21 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में; और 20 नवंबर को तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 24-26 नवंबर के दौरान; और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 23-26 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने और बिजली गिरने की संभावना है।
- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 23-26 नवंबर के दौरान; और केरल तथा माहे में 24-25 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में 20-24 नवंबर के दौरान तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है

मध्य भारत:

- 20 से 22 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 20 नवंबर को विदर्भ में; और 22 से 25 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 20 से 21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 20 से 21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। वहीं, 20 से 21 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 20 से 21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 20 से 26 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 20 से 23 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 22 से 23 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 20 से 22 नवंबर के दौरान बिहार में; और 21 से 23 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 20 से 21 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; और 20 नवंबर को ओडिशा में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 20 नवंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 21 नवंबर को बिहार तथा गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 20 से 21 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; 21 नवंबर को बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं।

पूर्वोत्तर भारत:

- 20-24 नवंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है; वहीं 22-24 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े हिस्से में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।

- 20-21 नवंबर के दौरान असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

पश्चिमी भारत:

- इस सप्ताह पश्चिमी भारत में मौसम में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

कोहरे की चेतावनी:

- 22-23 नवंबर के दौरान उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है; वहीं 20-22 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में भी घना कोहरा रह सकता है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ 50-60 किमी/घंटा की तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी: यहाँ 60-70 किमी/घंटा की तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। आज शाम तक इनकी गति कम होकर 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) रह जाएगी।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के पास: यहाँ 50-60 किमी/घंटा की तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- दक्षिणी ओडिशा के तटों के पास: यहाँ 60-70 किमी/घंटा की तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। आज शाम तक इनकी गति कम होकर 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) रह जाएगी।
- उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के पास: यहाँ 45-55 किमी/घंटा की तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। यह स्थिति आज शाम (20 नवंबर) तक बनी रहेगी और उसके बाद हवा की गति कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: अगले 3 घंटों तक समुद्र की स्थिति बहुत खराब से खराब रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार आएगा।
- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी: अगले 3 घंटों तक समुद्र में बहुत ऊँची लहरें रहने की संभावना है। आज शाम तक स्थिति 'बहुत खराब से खराब' हो जाएगी और उसके बाद इसमें सुधार आने की उम्मीद है।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट के पास: अगले 3 घंटों तक समुद्र की स्थिति बहुत खराब से खराब रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार आएगा।
- दक्षिणी ओडिशा के तटों के पास: अगले 3 घंटों तक समुद्र में बहुत ऊँची लहरें रहने की संभावना है। आज शाम तक स्थिति 'बहुत खराब से खराब' हो जाएगी और उसके बाद इसमें सुधार आने की उम्मीद है।
- उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों से लगे इलाकों में: आज शाम तक समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार आएगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- 20 नवंबर की रात तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी-मध्य हिस्से में।

- 21 नवंबर की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

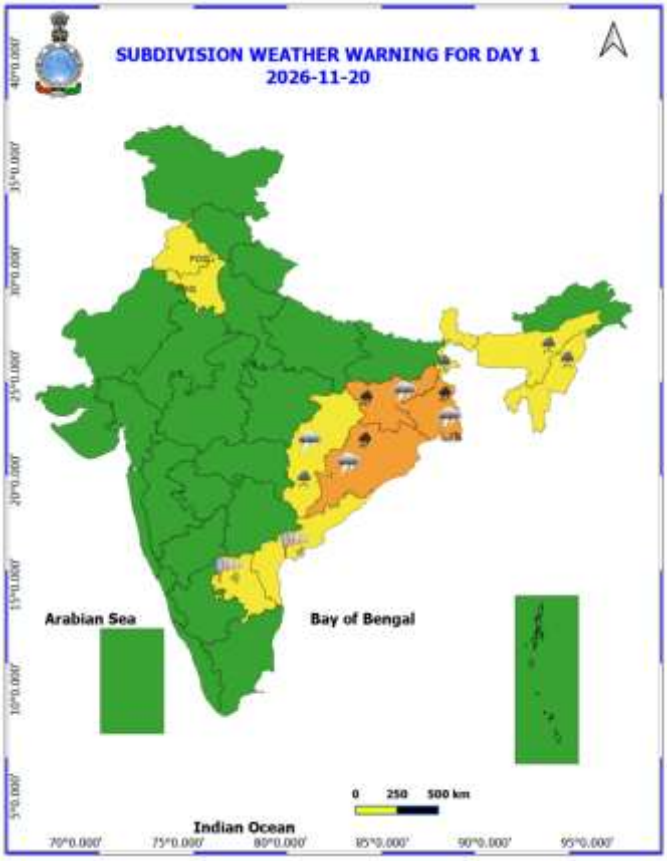
दर्ज की गई सर्वाधिक वर्षा (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 बजे IST से आज सुबह 08:30 बजे IST तक, विभिन्न मौसम विज्ञान उप-मंडलों में):

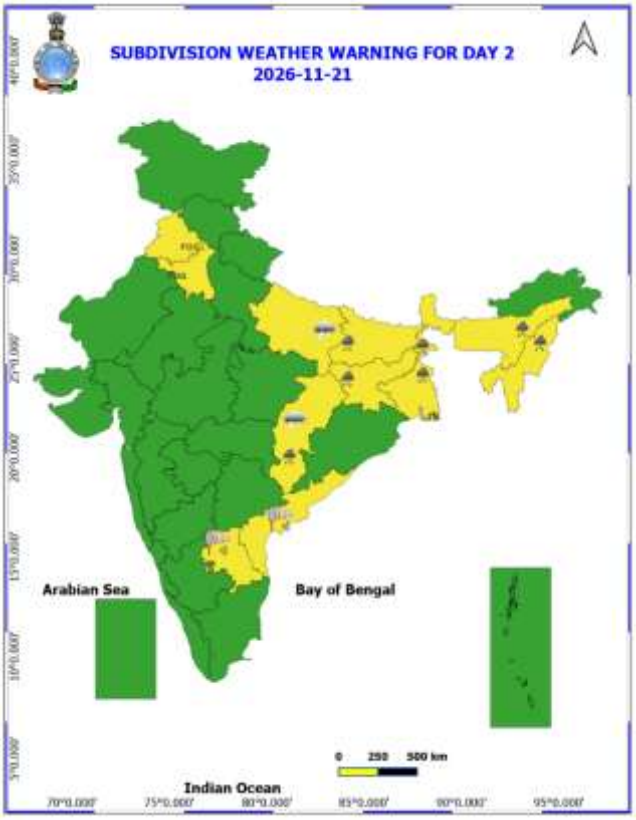
- ओडिशा: पात्रापुर 21
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: श्रीकाकुलम 19
- गांगेय पश्चिम बंगाल: कल्याणी 9
- त्रिपुरा: सोनामुरा 8|

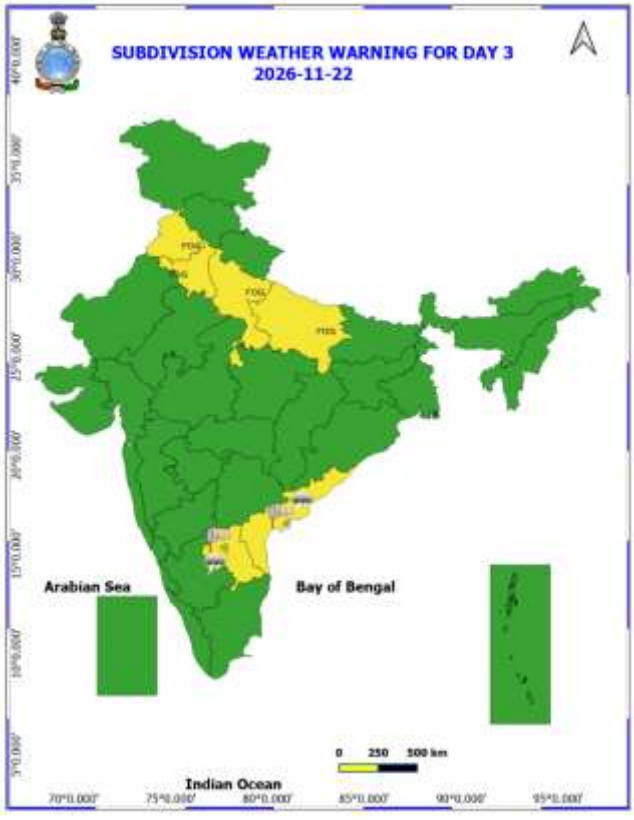
अनुलग्नक I

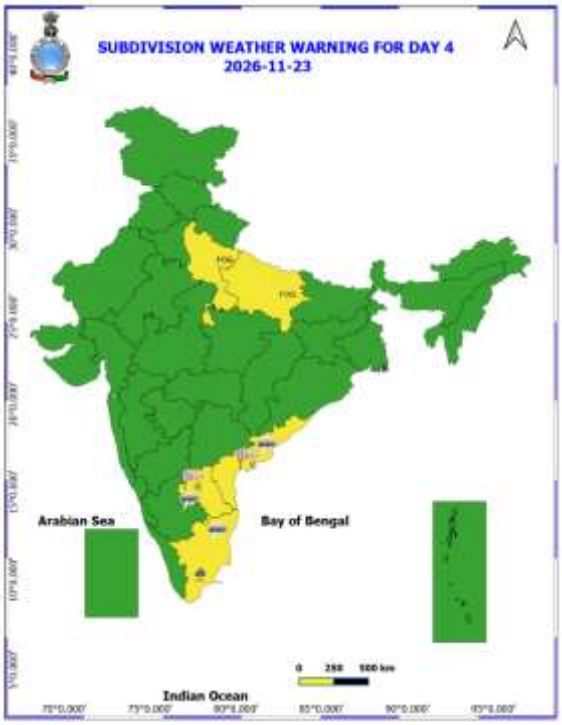
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	20- Nov	21- Nov	22- Nov	23- Nov	24- Nov	25- Nov	26- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	WS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	WS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	SCT	FWS	SCT	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	FWS	FWS

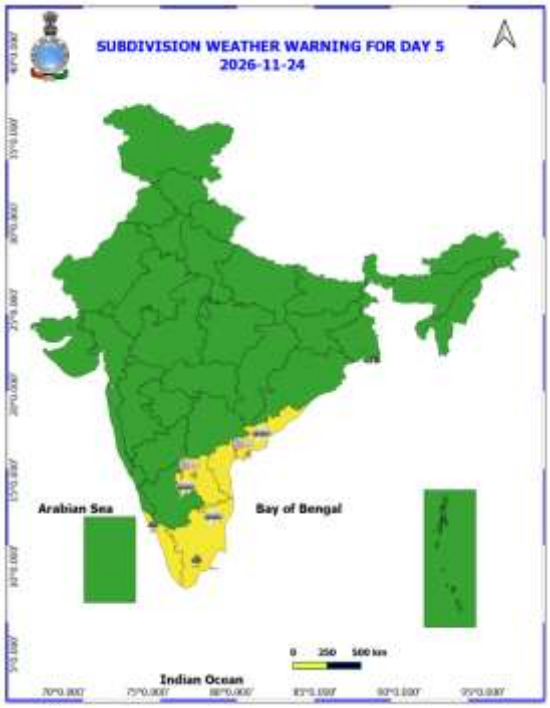
- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

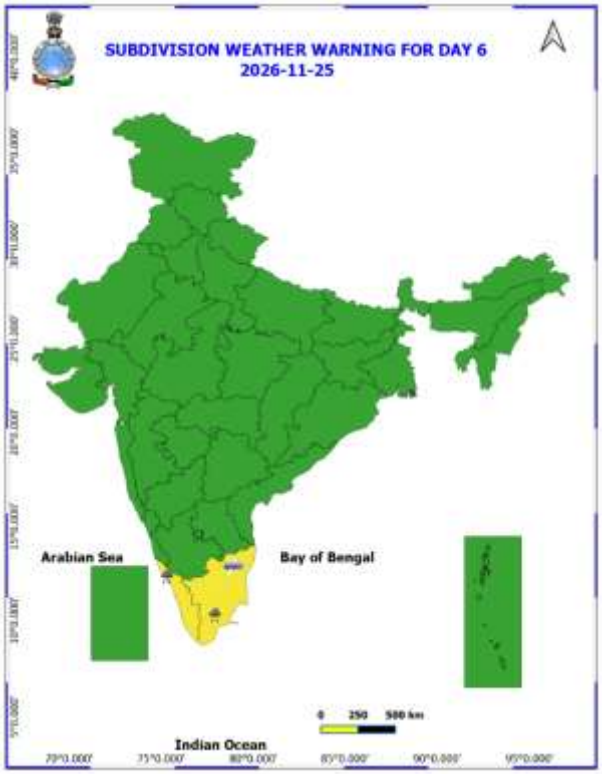

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-11-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

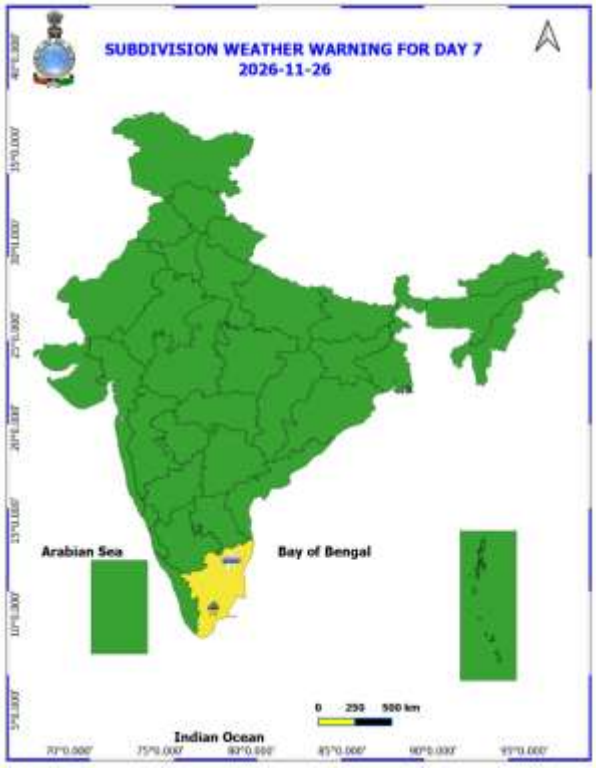

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km


SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km









/

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

20 नवंबर से 23 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25-28°C और न्यूनतम तापमान 11-13°C के बीच दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में दिल्ली के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। इसी तरह, अधिकतम तापमान भी कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) बना रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर हल्का कोहरा देखा गया। यहाँ सुबह 07:30 IST से 08:00 IST के बीच दृश्यता (visibility) सबसे कम, यानी 800 मीटर रही, जो आज, 20.11.2026 को सुबह 08:30 IST तक धीरे-धीरे सुधरकर 1000 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। आज दिन के पहले पहर में भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 08 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

20.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25-27°C के बीच रहने की संभावना है। कई इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़ेगी और यह पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है।

21.11.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय ज़्यादातर जगहों पर धुंध/हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25°C से 27°C और न्यूनतम तापमान 13°C से 15°C के बीच रहने की उम्मीद है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रह सकता है। दिल्ली के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम रहेगी और पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटा तक की हल्की हवाएं चल सकती हैं।

22.11.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25°C से 27°C और न्यूनतम तापमान 12°C से 14°C के बीच रहने की उम्मीद है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से -1.5°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति कम होकर 08 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है।

23.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कुछ जगहों पर धुंध या हल्का कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 24°C से 26°C और न्यूनतम तापमान 11°C से 13°C के बीच रहने का अनुमान है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है, और यह पश्चिम दिशा से चलेगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

रात/सुबह के समय घने कोहरे का असर होने की संभावना:

- 22-23 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 20-22 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली तथा पंजाब में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

- परिवहन और विमानन:
  - इस क्षेत्र के कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेल मार्गों पर असर पड़ सकता है।
  - कोहरे के कारण गाड़ी चलाना मुश्किल हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - अगर सावधानी नहीं बरती गई, तो सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

- बिजली क्षेत्र:
  •बहुत घने कोहरे वाले इलाकों में बिजली की लाइनें ट्रिप (बंद) हो सकती हैं।
- मानव स्वास्थ्य:
  •फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं: घने कोहरे में धूल-कण और अन्य प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो सकते हैं, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। इससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

•अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों पर असर: घने कोहरे के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी अन्य बीमारियों वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।
•आंखों में जलन: घने कोहरे में कई तरह के प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने से आंखों की झिल्ली में जलन हो सकती है, जिससे संक्रमण हो सकता है और आंखें लाल हो सकती हैं या उनमें सूजन आ सकती है।

सुझाए गए उपाय:

- परिवहन और विमानन:
  •गाड़ी चलाते समय या किसी भी वाहन से यात्रा करते समय सावधानी बरतें।
  •गाड़ी चलाते समय फॉग लाइट्स (कोहरे में इस्तेमाल होने वाली लाइटें) का उपयोग करें।
  •अपनी यात्रा के शेड्यूल के बारे में एयरलाइंस, रेलवे और राज्य परिवहन विभाग के संपर्क में रहें।
- बिजली क्षेत्र:
  •मेंटेनेंस टीम को तैयार रखें।
  •मानव स्वास्थ्य: जब तक बहुत जरूरी न हो, बाहर न निकलें और बाहर जाते समय अपना चेहरा ढक कर रखें।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- ओडिशा में, धान के खेतों, सब्जियों की नर्सरी और रबी फसलों के हाल ही में बोए गए खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। सरसों, तोरिया, मूंगफली, सूरजमुखी, मूंग, उड़द, चना और मसूर जैसी रबी फसलों की बुआई तब तक टाल दें, जब तक कि बारिश कम न हो जाए और मिट्टी में बुआई के लिए उचित नमी न आ जाए। बारिश रुकने के बाद, गिरे हुए धान के पौधों को बांधकर सीधा खड़ा कर दें। बागवानी फसलों में पौधों के आधार के चारों ओर मिट्टी चढ़ाएं और उन्हें सहारा दें। गन्ने की फसल को सीधा रखने के लिए उन्हें सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, खड़ी फसलों, सर्दियों की सब्जियों और पान के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। सरसों, रेपसीड, मसूर और आलू जैसी रबी फसलों के लिए खेत तैयार करने और बुआई का काम तब तक टाल दें, जब तक कि बारिश कम न हो जाए और मिट्टी में नमी का स्तर सही न हो जाए। बीन्स और लौकी/कद्दू वर्गीय सब्जियों जैसी बेल वाली फसलों के लिए मचान (ट्रेलिस) को मजबूत करें।
- झारखंड में, अरहर और देर से बोई गई लंबी अवधि वाली धान की फसल की कटाई टाल दें। यदि संभव हो, तो पहले से काटी गई उपज को किसी सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें। गेहूं, सरसों, रेपसीड और सब्जियों की बुआई तब तक टाल दें, जब तक कि बारिश रुक न जाए और मिट्टी में नमी की स्थिति अनुकूल न हो जाए। सब्जियों की नर्सरी, आलू और दालों के खेतों से पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें। टमाटर, मिर्च और बैंगन जैसी सब्जियों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें ताकि वे गिरें नहीं।
- छत्तीसगढ़ में, यदि संभव हो, तो धान की काटी गई उपज को किसी सुरक्षित और ऊंचे स्थान पर रखें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। केले और टमाटर के पौधों को सहारा दें; करेला, लौकी और कद्दू वर्गीय (बेल वाली) सब्जियों को भी सहारा दें।

आंधी-तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह:

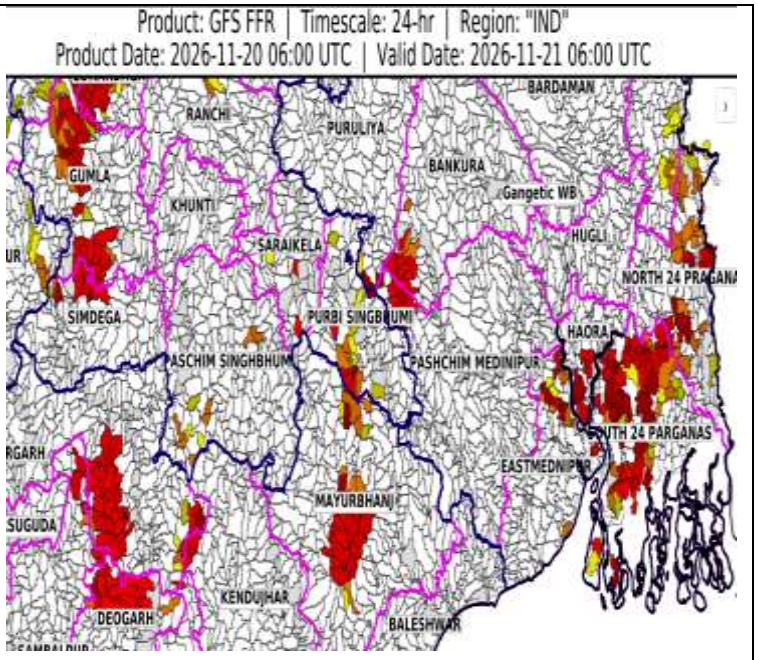
- कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को अच्छी तरह बांधकर ढक दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे अपनी जगह से हट न जाएं या उड़ न जाएं।
- बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें। सब्जियों और छोटे फलों के पौधों को खंभे या डंडे (स्टेकिंग) लगाकर सहारा दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे गिर न जाएं।

भारी बारिश के संभावित प्रभाव को देखते हुए पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन के लिए सलाह:

- भारी बारिश के दौरान पशुओं को शेड (बाड़े) के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- पशुओं के चारे और दाने को सुरक्षित जगह पर रखें ताकि वे खराब न हों।

- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली लगाकर पानी निकासी का रास्ता बनाएं, ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके और पानी ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल जाएं।

अचानक आई बाढ़ की चेतावनी:

21-11-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का जोखिम: अगले 24 घंटों के दौरान, नीचे बताए गए मौसम उप-मंडलों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है। ओडिशा: देवगढ़, संबलपुर, सुंदरगढ़ और मयूरभंज जिले गांगेय पश्चिम बंगाल: हावड़ा, पूर्वी मिदनापुर, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, नदिया और बांकुरा जिले झारखंड: पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा जिले अगले 24 घंटों में संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंताजनक क्षेत्रों' (Area of Concern - AoC) में, जहां की मिट्टी पहले से ही पूरी तरह संतृप्त (saturated) है या जो निचले इलाके हैं, वहां सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।	

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।

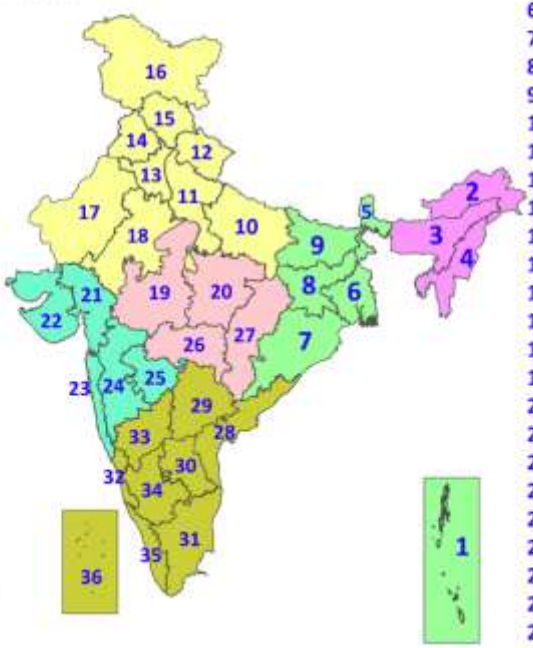
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)